ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-05-2024

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-29	2024-05-30	2024-05-31	2024-06-01	2024-06-02
वर्षा (मिमी)	0	0	2	4	0
अधिकतम तापमान(से.)	45.2	43.5	41.3	40.8	41.7
न्यूनतम तापमान(से.)	25.7	26.8	26.0	27.6	28.2
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	54	68	69	64	37
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	9	14	25	25	16
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	19	21	22	14	11
पवन दिशा (डिग्री)	64	81	79	90	79
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	5	2	5	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार,28 मई से 02 जून के दौरान जिले में मौसम शुष्क एवं आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। • अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान में 02-03 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि की संभावना हैं। 28 मई से 2 जून के दौरान जिले में लू चलने की चेतावनी जारी की गई हैं। • अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 14-18 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि होने की संभावना के कारण किसानों को आवश्यकतानुसार फसलों की सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। मक्का की अनुशंसित सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है।
चावल	धान की नर्सरी स्थापित करें। देर से पकने वाली धान की किस्में राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, राजेंद्र श्वेता, किशोरी, स्वर्ण, स्वर्ण सब-1 वीपीटी-5204,सत्यम आदि की नर्सरी 25 मई से स्थापित कर सकते हैं ।स्वस्थ पौध के

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बुआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।
गन्ना	गन्ना फसल में कालिका रोग (smut) के प्रकोप की सभांवना है। इस रोग से आक्रांत पौधों के फुनगी से काला डंढल निकलता जो एक सफेद झिल्ली से ढका रहता है, जिसमे अनगिनत बीजाणु पाए जाते है। ऐसे रोगग्रस्त पौधों को पालीथीन बैग से ढककर नष्ट कर दे ताकि बीजाणु और अधिक न फैल सके। इसके बाद कार्बेन्डाजिम फफूंदनाशी दवा का 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी से ड्रेंचिंग करे एवं प्रोपिकोनाजोल नामक दवा 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करे। रोग ग्रस्त खेतों में अगले तीन सालों तक गन्ने की रोपाई ना करें एवं गहरी जुताई कर फसल चक्र अपनायें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पूरी तरह नष्ट कर देते है। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। त्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।
लीची	लीची तोड़ने के बाद लीची के बाग की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोगा्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोगा्रम यूरिया, 1.5 किलोगा्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट आॅफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को पेड़ के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मई के अंत तक गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये।